



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I
PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 104]
No. 104]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 29, 1978/ज्येष्ठ 8, 1900
NEW DELHI, MONDAY, MAY 29, 1978/JYAISTHA 8, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
प्रधिसूचना

नई दिल्ली 29 मई, 1978

I

सं० 2/1/77-प्रेस—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि भारत में प्रेस की स्थिति की जाँच करने के लिये एक जाँच आयोग नियुक्त करना आवश्यक है।

अतः अब, जाँच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60वाँ अधिनियम) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक जाँच आयोग (जिसे प्रेस आयोग कहा जायेगा) नियुक्त करती है। इसके निम्नलिखित सदस्य होंगे —

1. न्यायाधीश पी० के० गोस्वामी	अध्यक्ष
2. श्री अबु अब्राहम	सदस्य
3. श्री प्रेम भाटिया	सदस्य
4. श्री एस० एन० द्विवेदी	सदस्य
5. श्री मोहन्युदीन हेरिस	सदस्य
6. श्री रवि मथार	सदस्य
7. श्री यशोधर एन० मेहता	सदस्य
8. श्री बी० के० नरसिम्हन	सदस्य
9. श्री एफ० एस० नरीमन	सदस्य
10. श्री अरुण शोरी	सदस्य
11. श्री एस० एच० वात्स्यायन	सदस्य

2. यह प्रेस आयोग पिछले प्रेस आयोग द्वारा की गई रिपोर्ट के बाद से अब तक की भारतीय प्रेस की स्थिति और इसके संवर्धन की जाँच

करेगा और यह सुझाव देगा कि भविष्य में यह सर्वोत्तम रूप से किस तरह विकसित हो। यह विशेष रूप से निम्नलिखित की जाँच करेगा।

- (1) वाक् स्वातंत्र्य तथा अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य के सम्बन्ध में वर्तमान संवैधानिक गारंटी, क्या यह प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त है, तथा प्रेस से संबंधित और उसे प्रभावित करने वाली विधियों, नियमों और विनियमों की पर्याप्तता और प्रभावोत्पादकता।
- (2) बहुल और लोकतांत्रिक समाज में सरकार, स्वामियों, विज्ञापन, वाणिज्यिक ट्रेड यूनियन, राजनीतिक या अन्य स्रोतों के सभी प्रकार के दबावों से प्रेस की स्वतंत्रता का परिरक्षण करने के उपाय।
- (3) सम्पादकीय स्वतंत्रता और व्यावसायिक इमानदारी तथा वस्तुनिष्ठ समाचार और विचार तथा मुक्त रूप से अभिव्यक्ति दिपणियों प्राप्त करने के पाठकों के अधिकार को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रेस के षटकों के स्वामित्व का स्वरूप तथा उनका वित्तीय ढाँचा।
- (4) ऐसे सम्बन्ध का स्वरूप, जो विशेषकर सूचना प्राप्त करने, प्रत्यायन, सरकारी संरक्षण या उपबानों के बारे में, सरकार और प्रेस के बीच रहता चाहिए।
- (5) वर्तमान समाचार और फीचर एजेंसियों का ढाँचा और उनका संचालन तथा समक्ष एवं आत्मनिर्भर संगठनों, जो गांधी तक

प्रत्येक स्तर पर समाचारों तथा विश्व समाचारों का भी संकलन और वितरण कर सकें, के रूप में उनके मवर्धन के लिए आवश्यक उपाय।

- (6) प्रेम के विभिन्न तत्वों, अर्थात् प्रकाशकों, प्रकाशकों, सम्पादकों तथा अन्य व्यावसायिक पत्रकारों, आदि के बीच सम्बन्धों का स्वरूप।
- (7) पत्रकारिता के स्तरों को ऊँचा उठाने तथा उनको बनाये रखने तथा पत्रकारों और समाचार पत्रों में सार्वजनिक तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों जो प्रेम की शक्ति, राष्ट्र पुनर्निर्माण में उसकी भूमिका और पाठकों के प्रति इनके उत्तरदायित्वों के अनुरूप हों, की भावना भरने के लिए आवश्यक उपाय।
- (8) भाषायी एवं प्रादेशिक प्रेम तथा नियतकालिक प्रेम, विशिष्ट पत्रिकाओं और सिंडीकेट सेवाओं के संवर्धन और विकास के साधन और उपाय।
- (9) समाचार-पत्र उद्योग की अर्थव्यवस्था तथा कमियों को दूर करने के उपाय और साधन तथा विश्विक और सार्वजनिक अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए समाचार पत्रों के लिए उचित मूल्य के आधार का निर्धारण।
- (10) संचार, पत्रकारिता, समाचारपत्र प्रबन्ध, मुद्रण टेक्नोलॉजी एवं समाचारपत्र डिजाइन तथा लेखा विज्ञानों में प्रशिक्षण की पर्याप्तता तथा पत्रकारिता और जनसंचार में उच्च शिक्षा की वांछनीयता और संभाव्यता।

3. प्रेम आयोग जांच करेगा और केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट 1 जून, 1979 तक दे देगा।

2

जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60वाँ अधिनियम) की धारा 5 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, यह निर्देश देती है कि उक्त धारा की उप धारा (2), उप धारा (3), उप धारा (4) और उप धारा (5) के सभी उपबन्ध प्रेम आयोग को लागू होंगे।

सुरेश कुमार सहगल, सचिव

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना की एक-एक प्रति प्रेम आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और केन्द्र शासित क्षेत्रों के प्रशासनों तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों की भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सुरेश कुमार सहगल, सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING NOTIFICATION

New Delhi, the 29th May, 1978

I

No. 2/1/77-Press.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of making an inquiry into the state of the Press in India;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby appoints a Commission of Inquiry (to be called the Press Commission) consisting of the following persons, namely :—

CHAIRMAN

1. Justice P. K. Goswami

MEMBERS

2. Shri Abu Abraham
3. Shri Prem Bhatia
4. Shri S. N. Dwivedi
5. Shri Moinuddin Harris
6. Shri Ravi Mathai

7. Shri Yashodhar N. Mehta
8. Shri V. K. Narasimhan
9. Shri F. S. Nariman
10. Shri Arun Shourie
11. Shri S. H. Vatsyayan.

2. The Press Commission shall enquire into the growth and status of the Indian press since the last Press Commission reported and suggest how best it should develop in future. It shall, in particular examine :—

- (i) The present constitutional guarantee with regard to the freedom of speech and expression, whether this is adequate to ensure freedom of the press, and the adequacy and efficacy of the laws, rules and regulations relating to and affecting the press.
- (ii) Means of safeguarding the freedom and independence of the press against pressures of all kinds from Government, proprietors, advertising, commercial, trade union, political or other sources, in a plural and democratic society.
- (iii) Ownership patterns and the financial structure of organs of the press with a view to ensuring editorial independence and professional integrity and the readers' right to objective news and views and comments freely expressed.
- (iv) The relationship that should exist between the Government and the press, especially with regard to access to information, accreditation, official patronage or subsidies.
- (v) The structure and functioning of the existing news and feature agencies and measures necessary for their growths as strong and viable organisations that can cover news monitoring at every level right down to the grass-roots and also world news.
- (vi) Relations that should subsist between different elements of the press, viz., publishers, managers, editors and other professional journalists, etc.
- (vii) Measures necessary to raise and maintain high standards of journalism and to inculcate among journalists and newspapers a due sense of public and social responsibility corresponding to the power of the press, its role in national reconstruction and its obligations to the readers.
- (viii) Ways and means to promote the growth and development of the language and regional press as also the periodical press, specialised journals and syndicated services.
- (ix) The economics of the newspaper industry including ways and means of rectifying deficiencies and evolving the basis for a fair price for newspapers keeping in view legal and constitutional requirements.
- (x) The adequacy of training in communications, journalism, newspaper management, printing technology and newspaper design and graphics as also the desirability and feasibility for higher learning in journalism and mass communication.

3. The Press Commission shall hold its inquiry and submit its report to the Central Government by 1st June, 1979.

II

In pursuance of section 5 of the Commission of Inquiry Act, 1952, (60 of 1952), the Central Government hereby directs that all the provisions of sub-section (2), sub-section (3), sub-section (4) and sub-section (5) of the said section shall apply to the Press Commission.

S. K. SAHGAL, Secy.

ORDER

Ordered that a copy of the Notification be communicated to the Chairman and members of the Press Commission, all State Governments and Union Territory Administrations, all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Notification be published in the Gazette of India Extraordinary for general information.

Sd/-

S. K. SAHGAL, Secy.